UPadda.com

# 2454

## M.A. (Final) Examination-2016

## SANSKRIT
## Paper : IV

(निबन्ध, अनुवाद, व्याकरण एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

*Time : Three Hours*
*Maximum Marks :* **100**

नोट : सभी खण्डों का उत्तर दीजिए।

## खण्ड - अ

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

1. (क) अधोलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में से किन्हीं तीन में प्रयुक्त विभक्ति का सूत्रोल्लेख पूर्वक निर्देश कीजिए - 4+4+4=12

(i) तण्डुलान् ओदनं पचति।

(ii) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति।

(iii) अधि भुवि रामः।

(iv) मातुः निलीयते कृष्णः।

(v) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति।

(ख) अधोलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए- 4+4=8

(i) प्रतिपदिकार्थ लिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।

831





(ii) अकथितं च।

(iii) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः।

(iv) आधारोऽधिकरणम्।

(v) यस्य च भावेन भाव लक्षणम्।

(ग) अधोलिखित सूत्रों में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए- 4+4+4+4+4=20

(i) बृहत्त्रयी

(ii) मृच्छकटिकम्

(iii) भास-नाटकम्

(iv) बाणभट्ट

(v) राजशेखर

(vi) कुमार सम्भव

(vii) कादम्बरी

(viii) भट्ट नारायण

## SECTION - B
## खण्ड - ब

(Long Answer type questions)
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

832

2. नवसर्गगतेमाघेनवशब्दोऽपिन न विद्यते- इस उक्ति की सोदाहरण विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

UPadda.com
UPadda.com
UPadda.com
UPadda.com
UPadda.com

UPadda.com



3. अधोलिखित विषयों में से किसी एक पर संक्षिप्त में निबंध लिखिए- 20

(क) वेदोऽखिलो धर्म मूलम्।

(ख) जननी जन्मभूमिश्चस्वर्गादपि गरीयसी।

(ग) योगः कर्मसु कौशलम्।

(घ) एको रसः करुण एव।

(ङ) आतंकवादः।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए - 20

महात्मा गांधी जीवन भर अंग्रेजी शासन से अपनी मातृभूमि को मुक्त करवाने के लिए लड़ते रहे। किन्तु अंग्रेजों के प्रति उनके हृदय में घृणा अथवा क्रोध न था। उन्होंने अपने देशवासियों से कहा कि वे इस स्वतंत्रता की लड़ाई में कोई हिंसात्मक कार्य न करें। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि वे दुनियां को दिखला दें कि वे स्वतंत्रता के लिए मर-मिटने को तैयार हैं। उन्होंने उन्हें बताया कि वे केवल अन्यायपूर्ण कानूनों के पालन की अवज्ञा करें और शान्त रहें। इसी को उन्होंने "सत्याग्रह" की संज्ञा दी जिसका शाब्दिक अर्थ "सत्य-बल" है।

अथवा 833



UPadda.com

UPadda.com



भारत भूमि के निवासी सभी भारतीय हैं। भारत की रक्षा तथा उन्नति इनका परम कर्तव्य है। जाति तथा सम्प्रदाय इसमें बाध क नहीं है। जिस देश की धरती में जन्म लिया है, जिसके अन्न, जल, वायु से पोषण हुआ है। उसके प्रति श्रद्धावान् न होना महान पाप है, देशद्रोह है।

आज के भारतीय युवकों को प्राणपण से देश की रक्षा एवं नव-निर्माण के लिए सचेष्ट होना चाहिए। अपने पूर्वजों का यही आदर्श यही आदेश और यही प्रेरणा है। मातृभूमि अपने बालकों के कर्त्तव्य की ओर देख रही है, हमें इस देश भक्ति की परीक्षा में सफल होना चाहिए।

- 0 -

834

UPadda.com

UPadda.com